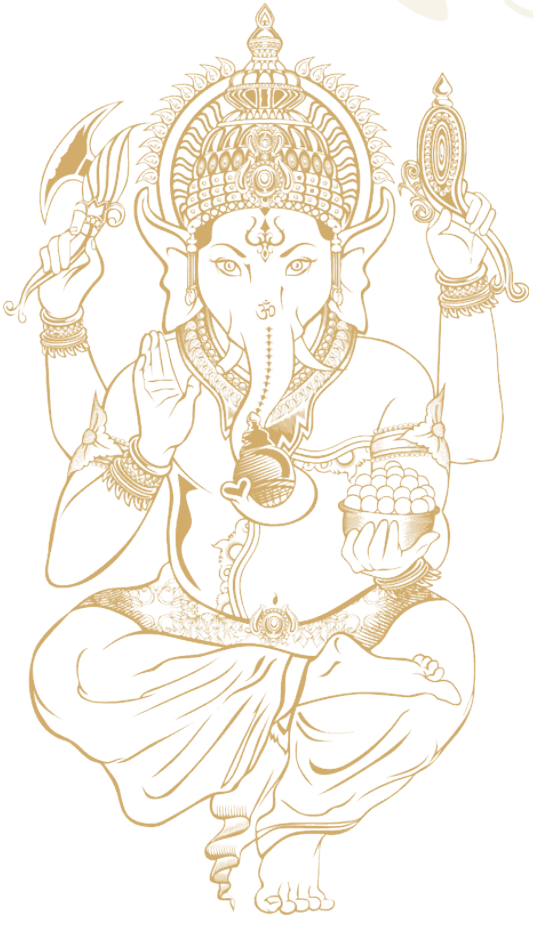

Sachen shing

03 Feb 2003

10:30 AM

Ajmer

Model: web-freekundliweb

Order No: 121781204

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**03/02/2003**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**10:30:00 घंटे**
इष्ट	08:05:47 घटी
स्थान	**Ajmer**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:29:00 उत्तर
रेखांश	74:40:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:31:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:58:40 घंटे
वेलान्तर	-00:13:48 घंटे
साम्पातिक काल	18:50:32 घंटे
सूर्योदय	07:15:41 घंटे
सूर्यास्त	18:14:50 घंटे
दिनमान	10:59:09 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	20:02:34 मकर
लग्न के अंश	23:31:17 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**शतभिषा - 2**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	परिघ
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	सा-सात्विक
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	23:31:17	489:22:45	रेवती	3	27	गुरु	बुध	मंगल	---
सूर्य			मक	20:02:34	01:00:54	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	केतु	शत्रु राशि
चंद्र			कुंभ	10:55:07	12:39:37	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	सम राशि
मंगल			वृश्चि	17:04:30	00:38:37	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	स्वराशि
बुध			धनु	24:43:32	00:58:12	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	सम राशि
गुरु	व		कर्क	19:05:42	00:08:00	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	केतु	उच्च राशि
शुक्र			धनु	04:34:57	01:07:24	मूल	2	19	गुरु	केतु	चंद्र	सम राशि
शनि	व		वृष	28:34:41	00:02:06	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	मित्र राशि
राहु	व		वृष	12:13:23	00:12:28	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	राहु	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	12:13:23	00:12:28	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	मित्र राशि
हर्ष			कुंभ	04:04:09	00:03:23	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	---
नेप			मक	16:53:23	00:02:17	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	---
प्लूटो			वृश्चि	25:25:32	00:01:31	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	---
दशम भाव			धनु	17:43:21	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:53:47

लग्न-चलित

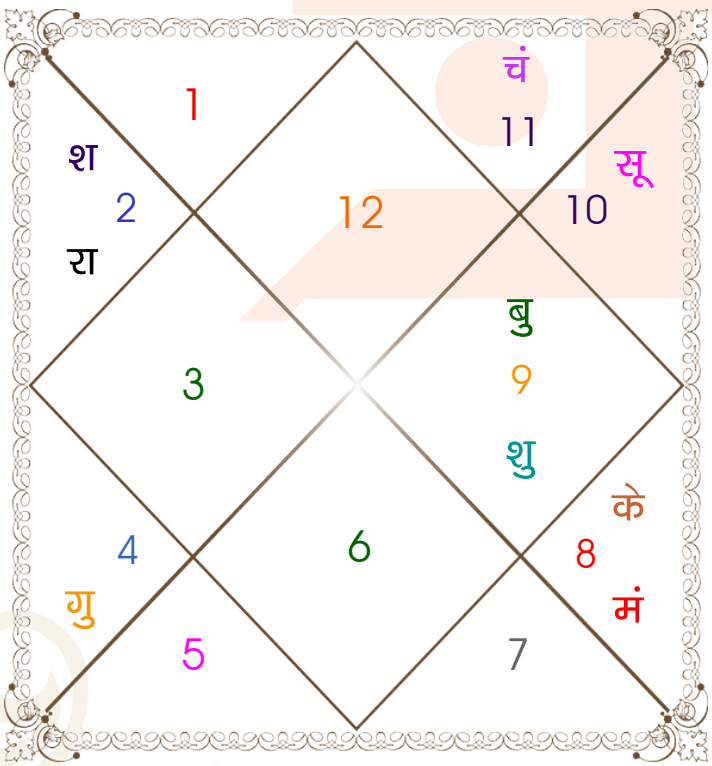

चन्द्र कुंडली

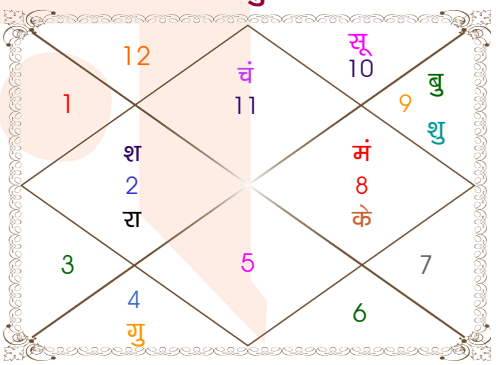

नवमांश कुंडली

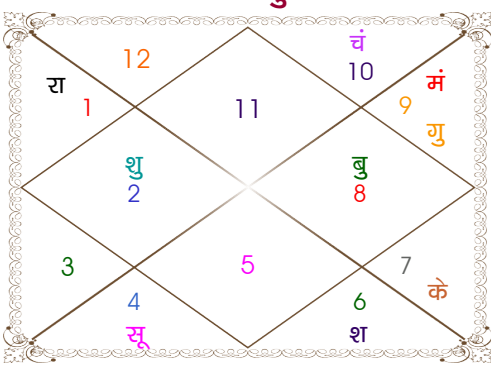

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 12 वर्ष 3 मास 3 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
03/02/2003		09/05/2015		09/05/2031		09/05/2050		09/05/2067	
09/05/2015		09/05/2031		09/05/2050		09/05/2067		09/05/2074	
	00/00/0000	गुरु	26/06/2017	शनि	12/05/2034	बुध	04/10/2052	केतु	05/10/2067
	03/02/2003	शनि	07/01/2020	बुध	19/01/2037	केतु	01/10/2053	शुक्र	04/12/2068
शनि	20/04/2005	बुध	14/04/2022	केतु	28/02/2038	शुक्र	01/08/2056	सूर्य	11/04/2069
बुध	07/11/2007	केतु	21/03/2023	शुक्र	29/04/2041	सूर्य	08/06/2057	चंद्र	10/11/2069
केतु	25/11/2008	शुक्र	19/11/2025	सूर्य	11/04/2042	चंद्र	07/11/2058	मंगल	08/04/2070
शुक्र	26/11/2011	सूर्य	07/09/2026	चंद्र	10/11/2043	मंगल	04/11/2059	राहु	27/04/2071
सूर्य	19/10/2012	चंद्र	07/01/2028	मंगल	19/12/2044	राहु	24/05/2062	गुरु	02/04/2072
चंद्र	20/04/2014	मंगल	13/12/2028	राहु	26/10/2047	गुरु	29/08/2064	शनि	11/05/2073
मंगल	09/05/2015	राहु	09/05/2031	गुरु	09/05/2050	शनि	09/05/2067	बुध	09/05/2074

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
09/05/2074		09/05/2094		09/05/2100		10/05/2110		09/05/2117	
09/05/2094		09/05/2100		10/05/2110		09/05/2117		00/00/0000	
शुक्र	07/09/2077	सूर्य	26/08/2094	चंद्र	09/03/2101	मंगल	06/10/2110	राहु	20/01/2120
सूर्य	07/09/2078	चंद्र	25/02/2095	मंगल	08/10/2101	राहु	24/10/2111	गुरु	15/06/2122
चंद्र	08/05/2080	मंगल	03/07/2095	राहु	09/04/2103	गुरु	29/09/2112	शनि	04/02/2123
मंगल	08/07/2081	राहु	26/05/2096	गुरु	08/08/2104	शनि	08/11/2113		00/00/0000
राहु	08/07/2084	गुरु	15/03/2097	शनि	10/03/2106	बुध	05/11/2114		00/00/0000
गुरु	09/03/2087	शनि	24/02/2098	बुध	09/08/2107	केतु	03/04/2115		00/00/0000
शनि	09/05/2090	बुध	01/01/2099	केतु	09/03/2108	शुक्र	02/06/2116		00/00/0000
बुध	08/03/2093	केतु	09/05/2099	शुक्र	08/11/2109	सूर्य	08/10/2116		00/00/0000
केतु	09/05/2094	शुक्र	09/05/2100	सूर्य	10/05/2110	चंद्र	09/05/2117		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 12 वर्ष 3 मा 19 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रेवती नक्षत्र के तृतीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। उस काल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आप द्विस्वभात्मक छवि के विद्वेष युक्त होते हुए भी धन एवं प्रसन्नता से युक्त आनंदप्रद जीवन व्यतीत करेंगे।

आप वास्तव में मीन राशीय द्विस्वभावत्मक प्रवृति के जातीय गुणों से युक्त हो। आप असंगतपूर्ण बातें सोचते हो। जिस प्रकार उदाहरण स्वरूप आप जब जन सामान्य व्यक्ति के साथ व्यवहार में बहादुरी एवं आक्रमणशील प्रवृति से उपस्थित होते हो, परंतु घर के मामले में बुद्धिहीनता से नहीं बल्कि बुद्धिमत्ता पूर्वक संकोची स्वभाव से पत्नी के समक्ष जाते हो क्योंकि यह संभव लगता है कि आप पत्नी के सेवक हो। इस प्रकार आप अपने व्यवसाय अथवा कार्य स्थल पर समय से पहुंच जाते हो। आप इस मामले में अत्यंत विश्वसनीय पात्र हैं। आप अपने अनुकूल विषयक बातों के लिए किसी के सामने झुकने वाले नहीं है।

आप व्यक्तिगत रूप से अपने अभिभावक एवं अन्य लोगो की दृष्टि में एक सक्षम कार्यकर्त्ता, आदरणीय, धार्मिक नेता, उदार एवं सहानुभूति करने वाले प्राणी हैं। ऐसा अनुभव करते है। आप अपने जीवन भर आनंदपूर्वक बिताएंगे एवं अत्यधिक धन संग्रह कर सकते हैं। आपका विचार यह रहता है कि किस प्रकार वासनात्मक जीवन व्यतीत किया जाए। आप संतुलित ढंग से समय पर अपनी समर्पित जीवन संगिनी के समक्ष प्रदर्शन करेंगे। परंतु आपका गुप्त रूप से प्रेम प्रसंग में अन्य के प्रति झुकाव हो। यदि आप नारी के प्रति विरोधात्मक रूख आपनाएंगे तो आपका घरेलू वातावरण दूषित हो सकता है। आप यदि अपनी लोलुपता को रोक दें तो आपके समक्ष किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न नहीं होगी।

इस प्रकार आप अत्यंत व्यवहार कुशल प्रवृति के व्यक्ति हो तथा अपने जीवन में सफल होंगे। इसी प्रकार आप दिवा स्वप्न देखते रहें कि प्रत्येक बार सुख ही सुख प्राप्त हो तो वास्तविकता आप से लुप्त हो जाएगी। आपके लिए आवश्यक है कि नीची विचार धारा से भूमि पर अवतरित हो कर, अपने हस्ताक्षरित कार्य के संपादन हेतु कठिन श्रम एवं समर्पण की भावना से युक्त हो कर कार्य संपादन करें तो निश्चित रूप से आपके हित में लाभदायक प्रमाणित होगा।

आप इस प्रकार अन्य लोगों की प्रतिज्ञा एवं विशेषता पर आश्रित रहना छोड़ दे, क्योंकि प्रायः लोग किसी प्रकार की वचन बद्धता को मात्र कागजी समझते हैं। आपको अपने कार्य व्यवसाय के लिए बाहरी सहयोग के उपर आश्रित रहने के बजाय अपना कार्य अपने हाथों से संपादन करना चाहिए।

आप उच्चकोटि के धार्मिक व्यक्ति हैं। आप आदर्श स्वरूप अपने विचारों के अनुरूप यह चिंतन करें कि धर्म दर्शन को किस प्रकार ग्रहण किया जाए। वैसे मीन राशीय प्रवृति के व्यक्ति को बुनियादी तौर पर पराज्ञान एवं प्राचीन विस्तृत वस्तुओं का अन्वेषण कर यह शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए एवं आशावान बन कर अंत में पुर्नजन्म न हो। इसके लिए शिक्षा ग्रहण

करनी चाहिए। धार्मिक व्यक्ति सुगमता पूर्वक स्वतः अभ्यास कर सांसारिक सुखों के विषय में अच्छी प्रकार अपनी उपस्थिति अंकित कराते हैं।

प्रत्येक प्राणी कुछ रोगादि अथवा अन्य रोगादि के प्रति सशंकित रहते हैं अथवा रोग ग्रस्त होने से आशंकित रहते हैं। अतः आप भी वर्षों बाद स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से संबंधित हो सकते है तथा आप कर्ण रोग और आंत्र विकृति से प्रभावित हो सकते हैं। यदि आप रोग के आक्रमण के पूर्व ही सतर्कता बरतें एवं अपने चिकित्सक से विचार विमर्श करें तो आप अंत में कठिन रोग को कम कर सकते हैं। यदि आप ऐसा नहीं कर सके तो जैसा सब के साथ होता है वैसी शारीरिक समस्या आपके साथ भी उत्पन्न हो सकती है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार एवं गुरुवार का दिन उत्तम है। इसके अतिरिक्त सप्ताह के अन्य बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार ये तीनों दिन आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अंकों में अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक सर्वथा अनुकूल एवं उत्तम भाग्यशाली है, परंतु अंक 8 सर्वथा प्रतिकूल है।

आप नीले रंग का व्यवहार कदापि नहीं करे। आपके लिए मात्र लाल, गुलाबी, नारंगी एवं हरा रंग अनुकूल उत्तम एवं मनभावन है।